



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

10 आषाढ़ 1948 (श10)
(सं० पटना 702) पटना, बुधवार, 1 जुलाई 2026

सं० 06 सू०प्रा०-24/2026-1190
सूचना प्रावैधिकी विभाग

संकल्प

25 जून 2026

विषय:— राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पारिस्थितिकी तंत्र के विकास हेतु को-रोवर (CoRover) प्राइवेट लिमिटेड एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित करने की स्वीकृति।

[Approval for signing a memorandum of understanding (MoU) between CoRover Private Limited and Department of Information Technology, Bihar, Patna for development of Artificial Intelligence (AI) Ecosystem in the State.]

बिहार सरकार नये-नये तकनीकों का समावेश कर नवाचार के माध्यम से राज्य के विकास हेतु कृत संकल्पित है। वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण से एक परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में स्थापित हो रही है। राज्य को एआई के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पारिस्थितिकी तंत्र के विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय तकनीक संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना आवश्यक है।

- को-रोवर प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय प्रथम तल, ए-ब्लॉक, BHIVE प्रीमियम टेक पार्क HSR कैंपस, होसुर रोड, बेंगलुरु 560068, भारत में स्थित विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों में से एक है, जो Bharat GPT प्लेटफॉर्म के माध्यम से उद्यमों और सरकारों के लिए संप्रभु, बहुभाषी एवं स्केलेबल AI समाधान सक्षम कर रहा है, को-रोवर प्राइवेट लिमिटेड एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना के बीच एक नीतिगत गैर-वित्तीय एवं गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए जाने का प्रस्ताव है।
- प्रस्तावित समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत को-रोवर प्राइवेट लिमिटेड एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु सहयोग करेंगे :—
 - Bharat GPT की क्षमताओं का उपयोग करते हुए एक संप्रभु AI मॉडल (Bihar GPT) विकसित करना।

- AI – First Governance एवं नागरिक सेवा परिवर्तन को सक्षम बनाना।
 - व्यापक स्तर पर AI कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम स्थापित करना।
 - AI क्रेडिट एवं सहायता के माध्यम से स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना।
 - बिहार में एक एप्लाइड AI विश्वविद्यालय (applied AI University) की स्थापना की संभावनाओं का अन्वेषण करना।
 - निवेश, रोजगार सृजन और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को बढ़ावा देना।
4. MoU में विभिन्न क्षेत्रों में Pilot परियोजनाओं की परिकल्पना की गई है, जो प्राथमिकता निर्धारण, व्यवहार्यता मूल्यांकन एवं पारस्परिक सहमति से क्रियान्वयन होगी। इनमें प्रमुखतः निम्नलिखित संकेतात्मक पहल सम्मिलित है :-
- Bharat GPT आधारित बिहार विशिष्ट AI Module विकसित करना, स्थानीय भाषाओं, शासन प्रक्रियाओं और नागरिक सेवाओं के अनुरूप AI का स्थानीयकरण करना।
 - सरकारी विभागों में चैटबॉट एवं एजेन्टिक AI लागू करना एवं नागरिक सेवाओं, शिकायत निवारण और योजनाओं की डिलिवरी को स्वचालित बनाना।
 - छात्रों, युवाओं और सरकारी कर्मचारियों को AI प्रशिक्षण देना एवं प्रमाणन, कार्यशालाएँ और बड़े स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना तथा उद्योगों की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम विकसित करना।
 - स्टार्टअप्स को AI क्रेडिट और प्लेटफार्म उपलब्ध कराना, सरकारी एवं औद्योगिक समस्याओं के समाधान विकसित करने में सहायता करना एवं इन्क्यूबेशन और नवाचार कार्यक्रम चलाना।
 - स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और ग्रामीण विकास के लिए AI समाधान तथा प्रत्येक व्यक्ति तक सेवाओं की पहुँच और समावेशन सुनिश्चित करना।
5. प्रस्तावित समझौता ज्ञापन की प्रमुख शर्तें एवं विशेषताएँ निम्नवत् हैं :-
- यह MoU गैर वित्तीय प्रकृति का है। इसके अंतर्गत किसी पक्ष पर कोई मौद्रिक दायित्व, वित्तीय प्रतिबद्धता, अनुदान, सब्सिडी अथवा बजटीय देनदारी सृजित नहीं होगी।
 - यह MoU प्रभावी तिथि से 60 (साठ) माह की अवधि तक प्रभावी रहेगा।
 - दोनों पक्षों की गोपनीय सूचना की पूर्ण सुरक्षा एवं गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी।
 - किसी भी विशिष्ट कार्यक्रम, पायलट परियोजना, क्रय अथवा अन्य पहल से उत्पन्न होने वाले वित्तीय दायित्वों हेतु पृथक निश्चित समझौता निष्पादित किए जाएंगे, जो दोनों पक्षों की प्रासंगिक अनुमोदन प्रक्रियाओं के अधीन होंगे।
 - CoRover प्राइवेट लिमिटेड एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना, किसी भी वित्तीय दायित्व के लिए Definitive Agreement करेंगे एवं अलग से सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त करेंगे।
 - MoU पर आधारित कोई भी समाचार विज्ञप्ति, सार्वजनिक घोषणा अथवा प्रचार-प्रसार दोनों पक्षों की पूर्व लिखित सहमति के बिना जारी नहीं की जाएगी।
 - MoU भारत के कानूनों के अधीन शासित होंगे तथा किसी भी विवाद का निपटारा पटना स्थित न्यायालयों में किया जायेगा।
6. वर्णित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पारिस्थितिकी तंत्र के विकास हेतु को-रोवर (CoRover) प्राइवेट लिमिटेड एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।
7. उक्त संकल्प को दिनांक 24.06.2026 को मद संख्या-29 के रूप में मंत्रिपरिषद् के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
अभय कुमार सिंह,
सरकार के सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 702-571+1000-डी0टी0पी0।
Website: <https://egazette.bihar.gov.in>